नवभारत

IIM ने किया Ni-MSME से करार

■ **नागपुर,** व्यापार प्रतिनिधि. आईआईएम नागपुर ने नेशनल इंस्टीट्यूट फार माइक्रो, स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेस, हैदराबाद के साथ करार किया. एमओयू पर आईआईएम नागपुर के निदेशक डॉ. भीमराया मेत्री और एनआई-एमएसएमई की डीजी एस. ग्लोरी स्वरूप ने हस्ताक्षर किए. एनएचएआई के एडवाइजर वैभव डांगे उपस्थित थे. समझौते के तहत दोनों इंस्टीट्यूट शार्ट टर्म एजुकेशन व ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए प्रशिक्षण, शोध, सलाह, एमएसएमई डेवलपमेंट, स्किल डेवलपमेंट, उद्योजकता विकास के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे. एस. ग्लोरी स्वरूप ने कहा कि वर्तमान में पूरा विश्व महामारी की भयावहता से जूझ रहा है जिसका अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा. इस समझौते से लंबी अवधि के प्रशिक्षण, एजुकेशन और रिसर्च पर जोर दिया जाएगा जिससे अगली पीढ़ी के उद्योजकों को कोविड-19 के बाद की परिस्थितियों में निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी. इससे देशभर के उद्योजकों को आईआईएम जैसे इंस्टीट्यूट के ज्ञान का लाभ मिलेगा. डॉ. भीमराया मेत्री ने कहा कि इस करार के तहत हम एमएसएमई सेक्टर की बेहतरी के लिए काम करेंगे. अपने पीजी, एमबीए और पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रमों के जरिए हम स्थानीय उद्योगों के साथ पहले ही काम कर रहे हैं. करार से हमें नये क्षेत्रों में काम करने का मौका मिलेगा. डांगे ने कहा कि कोविड-19 के दौर में कई एमएसएमई ने नये क्षेत्रों में पदार्पण कर विभिन्न उत्पादों की कमी की दिक्कत को पूरा किया.

Nagpur Edition
30-may-2021 Page No. 9
epaper.enavabharat.com